Publication	Dainik Jagran
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	II
Date	31st January 2018

दैनिक जागरण

दस साल के अनमोल ने लिख दी किताब

जागरण संवाददाता, नया गुरुग्राम: महज दस साल की उम्र में जहां बच्चे खेलने-कूदने के साथ पढ़ाई करते हैं, वहीं चौथी कक्षा के छात्र अनमोल धींगरा ने उपन्यास दिया है। एक वास्तविक घटना को किताब की शक्ल देने वाले सेक्टर 56 निवासी अनमोल सनसिटी स्कूल के छात्र हैं। 'द मिस्टीरियस कैब' के नाम से लिखी गई किताब के नन्हें लेखक को भौगोलिक और रहस्यमयी किताबें पढ़ने का शौक है, जिसकी एक झलक किताब में भी देखने को मिलती है। चालीस पन्ने के अंग्रेजी उपन्यास को एक सेल्फ पब्लिशिंग वेबसाइट से प्रकाशित करवाया गया है।

स्कूल असाइनमेंट से मिली प्रेरणा: बकौल अनमोल ने जब कक्षा एक था। तब माय ट्रिप टू यूएसए के नाम से एक छोटी कहानी लिखी थी। शिक्षकों और अभिभावकों ने उनकी कल्पनाशक्ति की सराहना करते हुए कहानी प्रशंसा की थी। शिक्षकों और अभिभावकों से मिली सराहना के बाद किताब लिखने की प्रेरणा मिली।

वास्तविक घटना से प्रेरित है किताब: अनमोल बताते हैं कि कहानी की पृष्ठभूमि

अपनी किताब द मिस्टीरियस कैब के साथ चौथी कक्षा के छात्र अनमोल धींगरा

एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कॉर्पोरेट सेक्टर में कार्यरत पिता पंकज धींगरा के साथ घटित एक घटना को ही उन्होंने पृष्ठभूमि बनाया है। कहानी में देर रात कैब बुकिंग करने का बाद आई समस्या और एक रहस्यमयी यात्रा का वृतांत भी लिखा गया है। जिसे इस तरह से लिखा गया है कि वो रात को सफर करने वाले हर व्यक्ति के दिल के करीब पहुंचती है।

सराहना करते नहीं थकते अभिभावक व शिक्षक: बेटे की उपलब्धि को लेकर स्वाति कहती हैं कि वो पहले तो अनमोल को सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देतीं थी। लेकिन, जब उसके लेखन शक्ति का पता चला तो उन्हें लिखने और विभिन्न माध्यमों से किस्से-कहानियां पढ़ने की छूट दे दी। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि बच्चे पर भरोसा का सुखद परिणाम मिला। अनमोल की प्रतिभा पर सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने भी कहा कि इतनी कम उम्र इतनी बड़ी कामयाबी हासिल करने वाले छात्रों पर विद्यालय प्रशासन को भी गर्व है।

पाठक भी कर रहे सराहना: किताब के पाठक समय महाजन के मुताबिक एक दस साल के बच्चे से इस से बेहतर क्या कल्पना की जा सकती है। उपन्यास की कहानी छोटी होने के साथ एक मजबूत पृष्ठभूमि के इर्द-गिर्द घूमती है। यही कारण है कि शुरू से अंत तक रोचकता बरकरार रहती है। वहीं एक और पाठक धनु ने कहा कि एक छोटी सी घटना को एक मजेदार यात्रा वृतांत के रूप में पेश किया गया है। अच्छी कल्पनाशक्ति के अलावा कहीं-कहीं हास्यपूर्ण घटना का जिक्र और सरल भाषा शैली के कारण पाठक एक बार पढ़ना शुरु करने के बाद खत्म करने के बाद ही किताब बंद करेंगे।

Publication	Dainik Jagran
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	I
Date	31st January 2018

दैनिक जागरण

नई दिल्ली, बुधवार, 31 जनवरी 2018

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

गुरुग्राम

दस साल के अनमोल ने लिख दी किताब

अंदर पढ़ें

सेक्टर 52-53 में जल्द बनेगा बस डिपो : अंदर पढ़ें www.jagran.com

Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	31st January 2018

NBT
नवभारत टाइम्स

चौथी के अनमोल ने लिखी किताब

एनबीटी न्यूज, गुड़गांव : सनसिटी स्कूल के अनमोल धींगरा ने द मिस्टीरियस कैब नाम की किताब लिखी है, जो ई कॉमर्स वेबसाइट पर भी आ चुकी है। सेक्टर-56 में रहने वाले अनमोल चौथी क्लास के स्टूडेंट हैं। अनमोल धींगरा ने बताया कि उन्हें हमेशा से रहस्यमयी और भौगोलिक दृष्टिकोण वाली किताबों का शौक रहा है। उनकी पहली किताब में रोमांच और साहसिक गतिविधियां शामिल हैं। अनमोल बताते हैं कि यह एक सच्ची कहानी पर आधारित किताब है। इस बारे में सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि हमारे स्कूल के लिए यह एक गर्व का पल है। यह हम सबके लिए दिल छू लेने वाला मौका है, जहां हम सभी इतने कम उम्र में अपने स्कूल के छात्र को ऊंचाई छूते हुए देखेंगे।

6 हफ्तों में लिखी रहस्य से भरी द मिस्टीरियस कैब

Publication	Dainik Bhaskar
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	04
Date	31st January 2018

दैनिक भास्कर

प्रतिभा चौथी क्लास के स्टूडेंट अनमोल धींगरा ने महज 10 साल की उम्र में लिखी किताब, ब्रिकी से आय को चैरिटी में करेगा दान

पिता के साथ हुई घटना ने लिखने को किया प्रेरित

भास्कर न्यूज| गुड़गांव

मात्र 10 साल की उम्र में गुड़गांव के स्टूडेंट ने अपने पिता के साथ घटी घटना पर एक किताब तैयार की है। चौथी कक्षा में पढ़ने वाले स्टूडेंट ने तीन महीने में 'द मिस्टीरियस कैब' नामक किताब लिखी है। यह किताब अब ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट पर 150 रुपए प्रति कॉपी बेची जा रही है। 150 पेज वाली इस किताब से आने वाली राशि को नन्हा स्टूडेंट चैरिटी के लिए खर्च कर रहा है। अभी तक लगभग 15 कॉपियां खरीदी जा चुकी हैं।

स्कूल के दिनों में जहां पढ़ने और खेलने में ही आज के बच्चे व्यस्त रहते हैं। वहीं शहर के सनसिटी स्कूल के चौथी क्लास के स्टूडेंट अनमोल धींगरा ने किताब लिखकर अपने परिवार के अलावा सभी को अचंभित कर दिया है। अनमोल का परिवार गुड़गांव के सेक्टर-56 में रहता है। पिता कंसल्टेंट कंपनी में कार्यरत हैं जबकि माता एक बैंक में वाइस प्रेजीडेंट हैं। किताब के नन्हें राइटर अनमोल ने बताया कि वह हमेशा से एक पाठक रहा है और वह रहस्यमयी और भौगोलिक दृष्टिकोण वाली किताबों को पढ़ने का शौकीन है। अंग्रेजी में लिखी गई इस किताब का ज्यादा हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका में लिखा गया है और इस किताब को 5 से 6 हफ्तों में ही लिख सकता था। किताब की कहानी मिस्टर पंकि के इर्दगिर्द घूमता है, जो कि नायक की भूमिका में है। जहां उनके कार्य का बहुत ही व्यस्त कार्यक्रम है और जब वह आधी रात को टैक्सी लेते हैं, तो उनका भाग्य एक रोमांचकारी और साहसिक यात्रा की शुरुआत करता है। यह कहानी उसी के मद्देनजर है। कहानी में कई देशों को शामिल किया गया है, जिससे अनमोल की विभिन्न संस्कृतियों के प्रति लगाव प्रत्यक्ष रूप में दिखता है।

गुड़गांव. सनसिटी स्कूल का छात्र अनमोल धींगरा।

किताब के विमोचन से उत्साहित हैं बच्चे

यह एक सच्ची कहानी पर आधारित किताब है, जिसमें अनमोल के पिता पंकज धींगरा जो कि एक कोर्पोरेट पेशेवर हैं। उनके व्यस्त कार्य अवधि एवं अनुभव को दर्शाया गया है। पंकज बताते हैं कि जब वे आधी रात को घर जाने के लिए गाड़ी बुलाते हैं तो अचानक से उनकी फोन की बैटरी खत्म हो जाती है और फिर उन्हें घर पहुंचने तक जिस असुविधा का सामना करना पड़ता है, यही कहानी का आधार है। अनमोल के परिवार वाले जो उन्हें पहले पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कहते थे, अब वह किताब के विमोचन के बाद काफी उत्साहित हैं।

Publication	Amar Ujala
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	07
Date	31st January 2018

अमर उजाला

चौथी कक्षा के छात्र ने लिखी 'द मिस्टीरियस कैब' पुस्तक

अमर उजाला ब्यूरो

गुरुग्राम।

स्कूल के दिनों में जहां बच्चों पढ़ने और खेलने में ही रुझान रहता है। वहीं, सनसिटी स्कूल के चौथी कक्षा के छात्र अनमोल धींगरा ने एक कहानी की किताब 'द मिस्टीरियस कैब' लिख डाली। शब्दों के बेहतरीन प्रयोग के द्वारा इन्होंने अपने आप को एक लेखक की श्रेणी में ला खड़ा किया है। जिसे पाठकों से 5 में से 4.5 की रेटिंग हासिल हुई है।

अनमोल धींगरा का कहना है कि किताब की कहानी मिस्टर पंकी के इर्दगिर्द घूमती है जो नायक की भूमिका में है। जहां उनके कार्य का बहुत ही व्यस्त कार्यक्रम है और जब

अनमोल धींगरा

वह आधी रात को टैक्सी लेते हैं, तो उनका भाग्य एक रोमांचकारी और साहसिक यात्रा की शुरुआत करता है। कहानी में कई देशों को शामिल किया गया है, जिससे अनमोल की विभिन्न संस्कृतियों के प्रति लगाव प्रत्यक्ष रूप में दिखता है। यह एक सच्ची कहानी पर आधारित किताब है। जिसमें अनमोल के पिता पंकज धींगरा, जो की एक कॉर्पोरेट पेशेवर हैं, उनके व्यस्त कार्य अवधि एवं अनुभव को दर्शाया गया है। एक बार जब वह मध्यरात्रि में घर जाने के लिए गाड़ी बुलाते हैं तो अचानक से उनकी फोन की बैटरी खत्म हो जाती है और फिर उन्हें घर पहुंचने तक जिस असुविधा का सामना करना पड़ता है, यही कहानी का आधार है।

अनमोल का कहना है कि मैं हमेशा से एक पाठक रहा हूं और मैं हमेशा रहस्यमयी और भौगोलिक दृष्टिकोण वाली किताबों को पढ़ने का शौकीन हूं। जिसका परिणाम मुझे मेरे पहली किताब के द्वारा मिला है। जिसमें रोमांचित और साहसिक गतिविधियां शामिल हैं।

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	31st January 2018

हिन्दी दैनिक
ह्यूमन इंडिया
हम चलेंगे आपकी आवाज़

गुड़गांव का छात्र बना लेखक, लिख डाला 'द मिस्टीरियस कैब'

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। स्कूल के दिनों में जहाँ पढ़ने और खेलने में ही रुझान रहता है वहीं सनसिटी स्कूल गुरुग्राम के अनमोल धींगरा ने एक कहानी की किताब लिख डाली , सिर्फ लिखी ही नहीं इनकी किताब अमेज़न ई कॉमर्स वेबसाइट पर खरीदने के लिए भी उपलब्ध है जी हाँ ! शब्दों के बेहतरीन प्रयोग के द्वारा इन्होनें अपने आप को एक लेखक की श्रेणी में ला खड़ा किया है। इनके द्वारा लिखी गयी किताब का नाम 'द मिस्टीरियस कैब' है , जिसे पाठकों द्वारा 5 में से 4.5 की रेटिंग हासिल हुआ है। अनमोल धींगरा गुरुग्राम, सेक्टर-56 के निवासी हैं और सनसिटी स्कूल, गुरुग्राम में चौथी कक्षा के छात्र हैं। इस विषय पर बात करने पर अनमोल धींगरा ने बताया कि -मैं हमेशा से एक पाठक रहा हूँ और मैं हमेशा रहस्यमयी और भौगोलिक दृष्टिकोण वाली किताबों को पढ़ने का शौक़ीन हूँ जिसका परिणाम मुझे मेरे पहली किताब के द्वारा मिला है जिसमें रोमांचित और साहसिक गतिविधियाँ शामिल हैं इसका ज्यादा हिस्सा सयुक्त राज्य अमेरिका में लिखा गया है और इस किताब को 5 से 6 हफ्तों में ही लिख सकता था।

किताब की कहानी मिस्टर पंकि के इर्दगिर्द घुमती है जो की नायक की भूमिका में है , जहाँ उनके कार्य का बहुत ही व्यस्त कार्यक्रम हैऔर जब वह आधी रात को टैक्सी लेते है, तो उनका भाग्य एक रोमांचकारी और साहसिक यात्रा की शुरुआत करता है यह कहानी उसी के मद्देनज़र है, कहानी में कई देशों को शामिल किया गया है, जिससे अनमोल की विभिन्न संस्कृतियों के प्रति लगाव प्रत्यक्ष रूप में दिखता है। यह एक सच्ची कहानी पर आधारित किताब है जिसमें अनमोल के पिता पंकज धींगरा जो की एक कोर्पोरेट पेशेवर है उनके व्यस्त कार्य अवधि एवं अनुभव को

दर्शाया गया है एक बार जब वह मध्यरात्रि में घर जाने के लिए गाड़ी बुलाते है तो अचानक से उनकी फ़ोन की बैटरी खत्म हो जाती है और फिर उन्हें हर पहुँचने तक जिस असुविधा का सामना करना पड़ता है, यही कहानी का आधार है। अनमोल के परिवार वाले जो उन्हें पहले पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कहते थे अब वह किताब के विमोचन के बाद काफी उत्साहित है।

अनमोल की माँ स्वाति धींगरा,जो एक कॉरपोरेट् पेशेवर हैं ने इस अवसर पर कहा कि-हमारे लिए यह एक गर्व का समय है, हमें अनमोल को लेकर और ख़ुशी है की जहाँ हम हमेशा उसे अपनी पढ़ाई पूरी करने की सलाह देते थे और उसने अपने प्रतिभा से हमें गलत साबित किया। अनमोल के स्कूल, के प्राधिकारियों को बहुत गर्व है इस बारे में सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि - हमारे स्कूल के लिए यह एक गर्व का पल है यह हम सबके लिए दिल छु लेने वाला मौका है जहाँ हम सभी इतने कम उम्र में अपने स्कूल के छात्र को ऊँचाई छूते हुए देखेंगे।

Publication	Aaj Samaj
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	31st January 2018

आज समाज

गुड़गांव के छात्र ने लिखा 'द मिस्टीरियस कैब'

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली /गुरुग्राम स्कूल के दिनों में जहाँ पढ़ने और खेलने में ही रुझान रहता है वहीं सनसिटी स्कूल गुरुग्राम के अनमोल धींगरा ने एक कहानी की किताब लिख डाली , सिर्फ लिखी ही नहीं इनकी किताब अमेजन ई कॉमर्स वेबसाइट पर खरीदने के लिए भी उपलब्ध हैं जी हाँ ! शब्दों के बेहतरीन प्रयोग के द्वारा इन्होनें अपने आप को एक लेखक की श्रेणी में ला खड़ा किया हैं इनके द्वारा लिखी गयी किताब का नाम ह्यद मिस्टीरियस कैबह्ल है , जिसे पाठकों द्वारा 5 में से 4.5 की रेटिंग हासिल हुआ है अनमोल धींगरा गुरुग्राम, सेक्टर-56 के निवासी हैं और सनसिटी कूल, गुरुग्राम में चौथी कक्षा के छात्र हैं इस विषय पर बात करने पर अनमोल धींगरा ने बताया कि -मैं हमेशा से एक पाठक रहा हूँ और मैं हमेशा रहस्यमयी और भौगोलिक दृष्टिकोण वाली किताबों को पढ़ने का शौकीन हूँ जिसका परिणाम मुझे मेरे पहली किताब के द्वारा मिला है जिसमें रोमांचित और साहसिक गतिविधियाँ शामिल हैं। इसका ज्यादा हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका में लिखा गया है और इस किताब को 5 से 6 हफ्तों में ही लिख सकता था किताब की कहानी मिस्टर पंकि के इर्दगिर्द घुमती है जो की नायक की भूमिका में है , जहाँ उनके कार्य का बहुत ही व्यस्त कार्यक्रम हैऔर जब वह आधी रात को टैक्सी लेते है, तो उनका भाग्य एक रोमांचकारी और साहसिक यात्रा की शुरूआत करता है यह कहानी उसी के मद्देनजर है, कहानी में कई देशों को शामिल किया गया है, जिससे अनमोल की विभिन्न संस्कृतियों के प्रति लगाव प्रत्यक्ष रूप में दिखता है यह एक सच्ची कहानी पर आधारित किताब है जिसमें अनमोल के पिता पंकज धींगरा जो की एक कोपोरेंट पेशेवर है उनके व्यस्त कार्य अवधि एवं अनुभव को दशार्या गया है। अनमोल की माँ स्वाति धींगरा,जो एक कॉरपोरेट् पेशेवर हैं ने इस अवसर पर कहा कि-हमारे लिए यह एक गर्व का समय है, हमें अनमोल को लेकर और खुशी है की जहाँ हम हमेशा उसे अपनी पढ़ाई पूरी करने की सलाह देते थे और उसने अपने प्रतिभा से हमें गलत साबित किया. अनमोल के स्कूल के प्राधिकारियों को बहुत गर्व है। सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि - हमारे स्कूल के लिए यह एक गर्व का पल है। यह हम सबके लिए दिल छु लेने वाला मौका है जहाँ हम कम उम्र में छात्र को ऊँचाई छूते देखेंगे।

अनमोल ढींगरा।

Publication	Gurgaon Sham Tak
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	31st January 2018

गुड़गांव की शान

गुड़गांव का छात्र बना लेखक, लिख डाला 'द मिस्टीरियस कैब'

सनसिटी स्कूल, गुरुग्राम के चौथी कक्षा का छात्र है अनमोल

गुरुग्राम : स्कूल के दिनों में जहाँ पढ़ने और खेलने में ही रुझान रहता है वहीं सनसिटी स्कूल गुरुग्राम के अनमोल धींगरा ने एक कहानी की किताब लिख डाली । इनके द्वारा लिखी गयी किताब का नाम 'द मिस्टीरियस कैब' है , जिसे पाठकों द्वारा 5 में से 4.5 की रेटिंग हासिल हुआ है ॥ अनमोल धींगरा गुरुग्राम, सेक्टर–56 के निवासी हैं और सनसिटी स्कूल, गुरुग्राम में चौथी कक्षा के छात्र है । इस विषय पर बात करने पर अनमोल धींगरा ने बताया कि –"मैं हमेशा से एक पाठक रहा हूँ और मैं हमेशा रहस्यमयी और भौगोलिक दृष्टिकोण

वाली किताबों को पढ़ने का शौकीन हूँ यह एक सच्ची कहानी पर आधारित किताब है जिसमें अनमोल के पिता पंकज धींगरा जो की एक कोर्पोरेट पेशेवर है उनके व्यस्त कार्य अवधि एवं अनुभव को दर्शाया गया है । एक बार जब वह मध्यरात्रि में घर जाने के लिए गाड़ी बुलाते है तो अचानक से उनकी फोन की बैटरी खत्म हो जाती है और फिर उन्हें हर पहुँचने तक जिस असुविधा का सामना करना पड़ता है, यही कहानी का आधार है । अनमोल के परिवार वाले जो उन्हें पहले पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कहते थे अब वह किताब के विमोचन के बाद काफी उत्साहित है । अनमोल की माँ स्वाति धींगरा,जो एक कॉरपोरेट पेशेवर हैं ने इस अवसर पर कहा कि–"हमारे लिए यह एक गर्व का समय है, अनमोल के स्कूल, के प्राधिकारियों को बहुत गर्व है ॥ इस बारे में सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि – " हमारे स्कूल के लिए यह एक गर्व का पल है । यह हम सबके लिए दिल छु लेने वाला मौका है जहाँ हम सभी इतने कम उम्र में अपने स्कूल के छात्र को ऊँचाई छूते हुए देखेंगे ।

नवभारत टाइम्स
गुड़गांव

https://navbharattimes.indiatimes.com/state/punjab-and-haryana/gurgaon/book-written-by-anmol-fourth-class/articleshow/62712191.cms

चौथी क्लास के अनमोल ने लिखी बुक

एनबीटी न्यूज, गुड़गांव

सनसिटी स्कूल के अनमोल धींगरा ने द मिस्टीरियस कैब नाम की किताब लिखी है, जो ई कॉमर्स वेबसाइट पर भी आ चुकी है। सेक्टर-56 में रहने वाले अनमोल चौथी क्लास के स्टूडेंट्स हैं। अनमोल धींगरा ने बताया कि उन्हें हमेशा से रहस्यमयी और भौगोलिक दृष्टिकोण वाली किताबों का शौक रहा है। उनकी पहली किताब में रोमांच और साहसिक गतिविधियां शामिल हैं।

अनमोल बताते हैं कि यह एक सच्ची कहानी पर आधारित किताब है। इस बारे में सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि हमारे स्कूल के लिए यह एक गर्व का पल है। यह हम सबके लिए दिल छू लेने वाला मौका है, जहां हम सभी इतने कम उम्र में अपने स्कूल के छात्र को ऊंचाई छूते हुए देखेंगे।